Online Available at: www.multiarticlesjournal.com OPEN ACCESS ISSN: 2583-7397

International Journal of Contemporary Research in Multidisciplinary; 2023; 2(3): 77-80

Review Article

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रान्तिकारी उपबन्ध एवं क्रियान्वयन संबन्धी चुनौतियाँ

Author (s): डॉ. ओम नारायण मिश्रा[1]*

[1]सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिवपरिसर, पुरी

Corresponding Author: * डॉ. ओम नारायण मिश्रा (**Email**: *parijat.om@gmail.com*)

सारांश:

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 वर्तमान भारत की आवश्यकता है । भारत जिस तीव्र गति से विकास की दिशा में वढ़ रहा है उसकी गति का साहचर्य करनें में प्राचीन शिक्षा व्यवस्थायें कारगर नहीं रह गयी हैं । भारत की वैश्विक स्थिति एवं नेतृत्व क्षमता, युवाओं की प्रतिभा एवं वैश्विक स्तर पर भारत के कौशल की मांग जैसे विषय नये शैक्षिक संकल्प अर्थात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आवश्यकता को प्रबल बनाते हैं ।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में न केवल वैश्विक परिदृश्य अपितु भारत की भी कुछ साम्प्रतिक विवशतायें हैं जो नई शिक्षा नीति के निर्माण के लिए मजबूर करती हैं, जैसे कि भारत की तीव्र गति से बढ रही जनसंख्या । इतनी बड़ी जनसंख्या को नियन्त्रित ढंग से व्यवसायोन्मुख करना स्वयं में एक बड़ी चुनौती है । परंपरागत रूप से युवाओं में अब भी सरकारी क्षेत्र में नौकरी पानें की अभिलिप्सा प्रबल रहती है । परन्तु एक लम्बे अनुभव से सिद्ध होता है कि सरकारी क्षेत्र स्वायत्त क्षेत्र के साथ प्रतियोगिता में अपनें को असमर्थ पाता है । ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतियोगिता के भाव को जन्म देने के लिए युवाओं के कौशलात्मक विकास की आवश्यकता है । और इस आवश्यकता को पूरा करनें का सामर्थ्य नई शिक्षा नीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिलक्ष्यित होती है ।

Manuscript Information

Received Date: 18-05-2023
Accepted Date: 20-06-2023
Publication Date: 24-06-2023
Plagiarism Checked: Yes
Manuscript ID: IJCRM:2-4-17
Peer Review Process: Yes

How to Cite this Manuscript

डॉ. ओम नारायण मिश्रा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रान्तिकारी उपबन्ध एवं क्रियान्वयन संबन्धी चुनौतियाँ. International Journal of Contemporary Research in Multidisciplinary. 2023; 2(3):77-80.

कूट शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, क्रान्तिकारी उपबन्ध, आधारभूत चरण, आर्थिक अनुदान, प्रारंभिक चरण

विश्लेषण के मुख्य पद: चयनित विषय वर्तमान शिक्षा नीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विविध पक्षों को उजागर करनें का प्रयास करेगी । जिसमें कुछ प्रभावी एवं तकनीकि शब्द सहजता के साथ आम जन को आकर्षित करेंगे । यथा – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नये उपबन्ध, कौशलात्मक विकास, युवाओं के विकास का संकल्प, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन इत्यादि ।

अध्ययन का उद्देश्य: किसी देश के विकास का आधार उसकी शैक्षिक नीति एवं कार्यप्रणाली होती है । शैक्षिक नीति एवं तदनुसार क्रियान्वयन राष्ट्र की क्रियाशीलता को प्रकट करता है । भारत वर्तमान में अपनी स्पष्ट राजनीति एवं क्रियाशीलता के कारण ही तीव्र गति से विकास पथ पर अग्रसर है । अतः भारत को भी अपनें राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्पष्ट एवं प्रतियोगिता पूर्ण वनानें की आवश्यकता है । भारत नें जिस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संकल्प को भारत के समक्ष

स्थापित किया है वो प्रशंसनीय अवश्य है परन्तु उसके कुछ उपबन्धों का क्रियान्वयन न केवल कठिन अपितु काल्पनिक भी प्रतीत होता है ।

इसी क्रियान्वयन के पक्ष विशेष को ध्यान में रख कर अध्ययन करनें का संकल्प लिया गया है । जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों को समझना एवं क्रियान्वयन की परीस्थितियों का विश्लेषण करना है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का संक्षिप्त परिचय:

भारत प्राचीन काल से ही अपनी शैक्षिक विरासत के लिए विश्वविख्यात रहा है । भारत को विश्व गुरू कहा जाता रहा है । सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के माध्यम से भारत के विश्व गुरु वाले प्राचीन गौरव को प्राप्त करनें का संकल्प लिया गया । नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पूर्व में प्रतिस्थापित शिक्षा नीतियों को अवधान में रखा गया । सदैव से ही सरकारी दृष्टि में शिक्षा को प्रमुख स्थान दिये जानें का संकल्प लिया जाता रहा है परन्तु एक विकासशील देश में गरीबी का दुश्चक्र एवं सीमाओं की सुरक्षा जैसे विषय सरकार को मजबूर करते रहे और शिक्षा पर विशेष ध्यान नहीं दिया जा सका ।

वर्तमान में परीस्थितियां बदली हैं, अर्थव्यवस्था मजबूत हुआ है, भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है तथा तृतीय अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रयासरत है । अतः अब भारत दुनिया का कारखाना मात्र बनने में खुशी महसूस नहीं करता अपितु ज्ञान के परम वैभव को प्राप्त कर विश्व गुरु बनने को आतुर दिख रहा है । इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उन सभी उपबन्धों को शामिल करनें का प्रयास किया गया है जो भारत को विश्वगुरु के मुकाम तक पहुँचा सके ।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जिसे 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया । जिसमें भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है । यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 की जगह लेगी । इस नीति का दृष्टिकोण भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को बदलने में सीधे योगदान दे, जिससे भारत एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बन सके ।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कुछ मौलिक परिवर्तन किये गये हैं जैसे कि उसकी अकादमिक संरचना में परिवर्तन जो कि पूर्व में 5+5+2+3+2 ऐसा था मान सकते हैं । परन्तु नई शिक्षा नीति में परिवर्तन कर नई अकादमिक संरचना - 5 + 3 + 3 + 4 लाया गया है । 10 + 2 कक्षा 10 के बाद दो साल की स्कूली शिक्षा को संदर्भित करता है। भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, भारत में 10 + 2 स्कूली शिक्षा प्रणाली को एक नई 5 + 3 + 3 + 4 प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

नई शिक्षा नीति 2020 के आधार पर स्कूल शिक्षा प्रणाली के विभिन्न स्तरों का आयु-वार विवरण यहां दिया गया है

1. **आधारभूत चरण के 5 साल:**
   - **उम्र के लिए:** 3 से 8
   - **कक्षाओं के लिए:** आंगनवाड़ी / प्री-स्कूल, कक्षा 1, कक्षा 2
   - यह चरण प्ले-आधारित या गतिविधि-आधारित तरीकों में शिक्षण और भाषा कौशल के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।
2. **तैयारी चरण के 3 साल:**
   - **उम्र के लिए:** 8 से 11
   - **कक्षाओं के लिए:** 3 से 5
   - प्रारंभिक चरण में ध्यान भाषा के विकास और संख्यात्मक कौशल पर रहेगा। यहां, शिक्षण और सीखने की विधि खेल और गतिविधि-आधारित होगी, और इसमें कक्षा की बातचीत और खोज का तत्व भी शामिल होगा।
3. **मध्य चरण के 3 साल:**
   - **उम्र के लिए:** 11 से 14
   - **कक्षाओं के लिए:** 6 से 8
   - एनईपी 2020 के अनुसार, स्कूल शिक्षा का यह चरण महत्वपूर्ण सीखने के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो वर्षों से हमारी शिक्षा प्रणाली में उपयोग किए जाने वाले रटना सीखने के तरीकों से एक बड़ा बदलाव है। यह चरण विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में अनुभवात्मक शिक्षा पर काम करेगा।
4. **माध्यमिक चरण के 4 वर्ष:**
   - **उम्र के लिए:** 14 से 18
   - **कक्षाओं के लिए:** 9 से 12
   - यह चरण दो चरणों को कवर करेगा: कक्षा 9 और 10, और कक्षा 11 और 12 की अवधारणाओं को इस चरण में अधिक गहराई से कवर किया जाएगा ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष उपबन्ध:

- ❖ प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर ध्यान केंद्रित करें

- ड्रॉपआउट को कम करना और स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना
- सीखना समग्र, एकीकृत, सुखद और आकर्षक होना चाहिए
- शिक्षक सशक्तिकरण
- न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा: सभी के लिए सीखना
- स्कूल शिक्षा के लिए मानक-सेटिंग और प्रत्यायन
- शैक्षणिक रूप से ध्वनि शिक्षण और सीखने की प्रथाओं को अपनाना
- शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी को अपनाना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन संबन्धी चुनौतियाँ:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) एक ऐतिहासिक दस्तावेज है जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों को बदलना है। नीति में उच्च शिक्षा के लिए कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं, जिनमें पहुंच बढ़ाना, गुणवत्ता में सुधार करना , अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। हालांकि, उच्च शिक्षा में NEP 2020 को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे कि-

- **आर्थिक अनुदान :** उच्च शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए आर्थिक अनुदान में उल्लेखनीय वृद्धि का आह्वान करता है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि यह आर्थिक अनुदान कैसे होगा । सरकार को करदाताओं पर अनुचित बोझ डाले बिना उच्च शिक्षा के लिए धन बढ़ाने का रास्ता खोजने की आवश्यकता होगी।
- **क्षमता**: भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली वर्तमान में कम संसाधन वाली नीति वाली है। एनईपी 2020 को लागू करने के लिए सरकार को उच्च शिक्षा संस्थानों की क्षमता का विस्तार करने के लिए निवेश करने की आवश्यकता होगी। इसमें नए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा संस्थानों के बुनियादी ढांचे में सुधार शामिल है।
- **गुणवत्ता**: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके लिए कई बदलावों की आवश्यकता होगी, जिसमें शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार, अधिक कठोर मूल्यांकन मानकों को पेश करना और अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है।
- **शासन:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा में शासन की अधिक विकेंद्रीकृत प्रणाली का आह्वान करता है। इसके लिए सरकार को राज्य सरकारों और संस्थानों को शक्ति हस्तांतरित करने की आवश्यकता होगी। इसमें विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय और सहयोग के लिए नए तंत्र के विकास की भी आवश्यकता होगी।
- **संस्कृति**: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य उच्च शिक्षा में अधिक शिक्षार्थी केंद्रित संस्कृति बनाना है। इसके लिए छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों के बीच मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता होगी। इसके लिए नए शिक्षण और सीखने के तरीकों के विकास की भी आवश्यकता होगी।
- उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए ये कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार को इन मुद्दों को हल करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नीति प्रभावी ढंग से लागू हो।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं जिन्हें उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन के लिए चिन्तन करने की आवश्यकता है, जैसे कि-

- **उच्च शिक्षा तक पहुंच का अभाव:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना है। हालांकि, गरीबी, लैंगिक भेदभाव और बुनियादी ढांचे की कमी जैसी पहुंच के लिए अभी भी कई बाधाएं हैं। उच्च शिक्षा को सभी के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार को इन बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता होगी।
- **शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य उच्च शिक्षा में शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में सुधार करना है। हालाँकि, इस क्षेत्र में अभी भी कई चुनौतियाँ हैं, जैसे योग्य शिक्षकों की कमी, संसाधनों की कमी और पुराना पाठ्यक्रम । उच्च शिक्षा में शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार को इन चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता होगी।
- **अनुसंधान और नवाचार**: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। हालाँकि, इस क्षेत्र में अभी भी कई चुनौतियाँ हैं, जैसे कि धन की कमी, योग्य शोधकर्ताओं की कमी और बुनियादी ढाँचे की कमी। उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार को इन चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता होगी।

उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी हितधारकों के ठोस प्रयास की आवश्यकता होगी। ऐसा करने के लिए सरकार, राज्य

सरकारों, संस्थानों, शिक्षकों, छात्रों और समुदाय सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी।

निष्कर्ष: राष्ट्रीय शिक्षा नीतियां न केवल जनता की आकांक्षाओं को प्रकट करती है अपितु सरकार के चरित्र को भी उजागर करती हैं। शिक्षा नीतिया बताती हैं कि सरकार अपनें राष्ट्र को किस दिशा में ले जाना चाहती है। सरकार देश की जनता मुख्यतः बालकों एवं युवाओं की प्रतिभा का आकलन कैसा और कितना सटीक करती हैं। बिना युवाओं की प्रतिभा एवं आवश्यकता के आकलन के शिक्षा नीतियां नहीं बनाई जा सकती हैं। वर्तमान सरकार को ऐसा प्रतीत हुआ कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 साम्प्रतिक युवाओं की अपेक्षाओं एवं सपनों को पूरा करनें में असमर्थ है, सरकार नें अपनें आकलन में इस विषय को भी स्थान दिया होगा कि भारत के युवाओं की प्रतिभा वैश्विक प्रतिभा के साथ प्रतिस्पर्धा करनें योग्य है परन्तु अच्छी शिक्षा, कौशलात्मक प्रशिक्षण के अभाव में पिछड़ सकती है अतः नवीन शिक्षा नीति का निर्माण प्राशंगिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्राशंगिकता स्पष्ट है। अब भारत सरकार ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करना चाहती है कि भारत का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनने की योग्यता को प्राप्त करे अपितु अपनें कौशलात्मक विकास के माध्यम से तकनीति, अनुसन्धान एवं अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सके।

प्रायः जब भी कुछ नया संकल्प धरातल पर उतारनें का प्रयास मनुष्य करता है ते स्वाभाविक रूप से अड़चनें आती हैं। परन्तु यह भी सत्य कि प्रत्येक समस्या का समाधान समस्या के ही गर्भ में छुपा होता है। वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सम्बन्धी जो समस्यायें हैं उनका समाधान क्रियान्वयन के पथ पर ही खोज लिया जायेगा।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, 2020
2. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, 2005
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, 1986
4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार, 1968
5. आर्थिक समीक्षा, वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार, 2018-19
6. Aithal P.S, Aithal S.J. Analysis of Indian National Education Policy 2020 towards achieving its Objectives. International Journal of Management Technology & Social Sciences 2020;5(2):19-41
7. https:/www.unisef.org/india/hi/node/701

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.